जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

प्रेस विज्ञप्ति 09 जुलाई 2020

जामिया ने अपने स्कूल के शिक्षकों के लिए ऑनलाइन पढ़ाई और मूल्यांकन क्षमता विकास पर वर्कशाप आयोजित की

विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए क्षमता विकास कार्यशालाओं का कामयाब संचालन करने के बाद, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अपने स्कूलों के शिक्षकों के लिए 'ऑनलाइन टीचिंग एंड असेस्मन्ट' पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वर्कशाप का आयोजन किया। इस महीने, 6 से 8 तारीख तक चली इस आॅनलाइन वर्कशाप में जामिया के सेकन्डरी, सीनियर सेकन्डरी और अन्य स्कूलों के पिं्रसिपल और वाइस पिं्रसिपलों सहित 126 लोगों को ट्रैनिंग दी गई।

वर्कशाप की शुरुआत जामिया की फैकल्टी आॅफ एजुकेशन के डीन, प्रो एजाज़ मसीह की आरंभिक टिप्पणी और विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नजमा अख़्तर के उद्घाटन भाषण से हुई। प्रो अख्तर ने ऑनलाइन शिक्षण के लिए स्कूल के शिक्षकों के बीच दक्षता विकसित करने की ज़रूरत के बारे में बताया और कहा कि इस ऑनलाइन शिक्षण कौशल को सीखने के लिए, इस ट्रैनिंग वर्कशाप में जामिया के स्कूलों के शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी से पैदा हालात के मद्देनज़र टीचिंग-लर्निंग रणनीतियों में एक बड़ा बदलाव आया है और शिक्षकों को इसके अनुरूप अपनी आॅनलाइन टीचिंग एवं असेस्मन्ट क्षमता का विकास करना चाहिए।

इस वर्कशाप में हिस्सा लेने वालों को ई-सामग्री तैयार करने और उसे छात्रों तक पंहुचाने के बारे में प्रशिक्षित किया गया। उन्हें टीचिंग की वैकल्पिक आॅनलाइन पद्धति अपनाने को प्रेरित किया गया और ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करने के लिए, गूगल मीट, गूगल क्लासरूम, गूगल टूल्स फार एजुकेशन आदि के इस्तेमाल के बारे में प्रशिक्षित किया गया। उन्हें उपलब्ध ओपन शैक्षिणिक संसाधनों, ओपन टेक्स्टबुक, एनआरओईआर, ई पाठशाला और ओईआर प्लेटफार्म आदि का उपयोग करने के बारे में विस्तार से ट्रैनिंग दी गई।

जामिया की फैकल्टी के अलावा, शिक्षा प्रौद्योगिकी से जुड़े सीआईईटी, इग्नू और एनआईईपीए प्रमुख संगठनों के वरिष्ठ लोगों ने भी इस वर्कशाप में अपने ज्ञान और मूल्यवान अनुभवों को पेश किया।

जी डी गोयनका पब्लिक स्कूल, गुड़गांव की प्रिसिंपल सुश्री अनुराधा हांडा और उनकी टीम ने उनके स्कूल द्वारा अपनाई गई नवीन ऑनलाइन शिक्षण रणनीतियों को वर्कशाप में साझा किया।

जामिया की कुलपति प्रोफेसर अख्तर ने समापन संबोधन में कहा कि नए माहौल में शिक्षक की भूमिका अब एक फैसिलिटेटर की होगी और वह एक समृद्ध ऑनलाइन टीचिंग माहौल का निर्माण करेगा। उन्होंने कहा कि वर्कशाप से जामिया के स्कूलों ने आॅनलाइन टीचिंग और असेस्मन्ट के बारे में जो अहम ज्ञान अर्जित किया है, वह छात्रों की नलाइन शिक्षा के लिए बहुत ही कारगर साबित होगा।
उन्होंने बताया कि जामिया जल्द ही अपने प्रि प्राइमरी और प्राइमरी टीचर्स शिक्षकों के लिए भी ऐसा ट्रैनिंग प्रोग्राम आयोजित करने जा रहा है ताकि कोई शिक्षक यह नवीन तकनीक पाने से वंचित नहीं रहे।

इस सफल वर्कशाप का, डॉ सविता कौशल और डॉ ए आर खान ने संयुक्त रूप से समन्वय किया।

इसमें हिस्सा लेने वालों ने कहा कि आॅनलाइन टीचिंग एवं असेस्मन्ट पर आयोजित इस वर्कशाप ने, इस दिशा में उन्हें सशक्त बनाने अहम भूमिका निभाई है। इससे, वे अब अपने छात्रों की ज़रूरतों के अनुरूप उपयुक्त ऑनलाइन संसाधनों का चयन कर सकते हैं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक